DAINIK BHASKAR (01.11.2016)

पटेल की जयंती पर ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

फरीदाबाद| वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई। समारोह का शुभारंभ पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण प्रो. एस्के अग्रवाल तथा निदेशक विद्यार्थी कल्याण डॉ. प्रदीप कुमार डिमरी ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। राष्ट्रीय एकता दिवस पर अपने संदेश में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि हम सभी को महान देशभक्तों, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र के नेताओं से प्रेरणा लेते हुए अपने जीवन को देशभक्ति की भावना के साथ राष्ट्र सेवा में समर्पित करना चाहिए। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका तथा स्वतंत्रता के बाद अखंड भारत के निर्माण में उनके योगदान को अतुलनीय बताया।

HINDUSTAN (01.11.2016)

स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं हुईं, पुलिस ने रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनी पटेल जयंती

स्मरण

फरीदाबाद| वरिष्ठ संवाददाता

प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और प्रथम केंद्रीय गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को सोमवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। पुलिस ने रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया, जबकि सरकारी स्कूलों में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कीं।

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सरदार की 141वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार, प्रोफेसर एसके अग्रवाल, डॉ. प्रदीप कुमार डिमरी के साथ छात्रों ने सरदार के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस मौके पर कुलपति ने महान देशभक्त और स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

फरीदाबाद पांच नंबर स्थित राजकीय आदर्श कन्या स्कूल में सोमवार को राष्ट्रीय एकता दिवस पर छात्राओं ने योग का प्रदर्शन कर मंत्रमुग्ध किया। दूसरी ओर छात्राओं ने फेस मेकिंग प्रतियोगिता में भी भाग लिया। • हिन्दुस्तान

अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा गांव अनखीर से पटेल चौक एसजीएम नगर तक महासभा के कार्यकर्ताओं ने सरदार पटेल अमर रहे का जयघोष कर पैदल यात्रा निकाली। पटेल चौक पर सभी ने सरदार पटेल की प्रतिमा के समक्ष माथा टेक कर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। डीएवी कॉलेज में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्र की एकता से संबंधित राष्ट्रीय एकता शपथ, भाषण प्रतियोगिता, काव्यपाठ प्रतियोगिता, आदर्श वाक्य लेखन प्रतियोगिता, निबंध लेखन एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही छात्रों ने रन फॉर यूनिटी किया। प्राचार्य डॉ. सतीश आहूजा ने लौह पुरुष वल्लभ भाई पटेल के जीवन, राष्ट्रीय एकता आंदोलन व भारत विभाजन के समय 562 भारतीय रियासतों को भारत संघ में विलय आदि पर विस्तृत प्रकाश डाला।

शहीदों के नाम दीपक : सराय ख्वाजा स्थित राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक दीपक शहीदों के नाम पर जला कर शहीदों को नमन किया। सुदर्शनाचार्य वेद वेदांग संस्कृत महाविद्यालय में छात्रों ने एक दीपक शहीदों के नाम का जलाया। श्रीसिद्धदाता आश्रम में समाधि स्थल पर श्रीलक्ष्मीनारायण दिव्यधाम के अधिष्ठाता स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में आचार्यों और विद्यार्थियों ने दीपक जलाकर शहीदों को नमन किया।

DAINIK JAGRAN (05.11.2016)

वाइएमसीए में 'सतर्कता और सुशासन' पर प्रतियोगिता

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय व एनएचपीसी लिमिटेड के संयुक्त प्रयास से 'सतर्कता और सुशासन' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन 31 अक्टूबर से 5 नवंबर तक मनाए जा रहे सतर्कता जागरुकता सप्ताह के तहत हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। उन्होंने विद्यार्थियों से भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए प्रत्येक क्षेत्र में सतर्क एवं जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना तथा भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए एकजुट होकर प्रयास करना सभी का उत्तरदायित्व है। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर तथा संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण प्रो. एसके अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक अध्यक्ष डॉ. सोनिया बंसल तथा निदेशक, सांस्कृतिक एवं युवा कार्यक्रम डॉ. प्रदीप डिमरी ने किया। प्रतियोगिता के दौरान एनएचपीसी लिमिटेड के मुख्य अभियंता (सतर्कता) एलके त्रिपाठी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता में विजेता टीम का चयन किया। प्रतियोगिता के तहत दो राउंड आयोजित हुए, जिसमें तीन-तीन विद्यार्थियों की दस टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल राउंड में पांच टीमों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों को सतर्कता जागरूकता और सुशासन विषय पर पक्ष व विपक्ष में बोलना था। प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार मेघा, विशाल और सौरभ ने जीता। प्रतियोगिता की उपविजेता टीम के सदस्यों में नमन, निहारिका तथा ज्ञानेश रहे तथा तीसरा स्थान समीक्षा, मेघना तथा मोनिका ने हासिल किया। पुरस्कार विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ प्रदीप डिमरी ने विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं सत्यनिष्ठा के पालन की प्रतिज्ञा दिलाई, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा अपने अपने कार्यकलापों के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने एवं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से भ्रष्टाचार उन्मूलन करने के लिए निर्बाध रूप से कार्य करने की शपथ ली।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। जागरण

HINDUSTAN (05.11.2016)

वाद विवाद में मेधा और सौरभ प्रथम

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

प्रतियोगिता

- पांच नवंबर तक चलाया जाएगा सतर्कता जागरूकता सप्ताह
- विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एनएचपीसी लिमिटेड के सहयोग से 31 अक्तूबर से 5 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया।

इस दौरान 'सतर्कता और सुशासन' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मेधा, विशाल और सौरभ की टीम ने बाजी मारी। इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में एनएचपीसी लिमिटेड के मुख्य अभियंता (सतर्कता) एलके त्रिपाठी मौजूद थे। उन्होंने विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता में विजेता टीम का चयन किया।

जबकि दूसरे स्थान पर नमन, निहारिका तथा ज्ञानेश की टीम रही। तीसरे स्थान समीक्षा, मेघना तथा मोनिका रही। इन सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान दो राउंड मुकाबले हुए। प्रत्येक टीम में तीन-तीन विद्यार्थी थे। अंतिम चरण में पांच टीमों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान विद्यार्थियों को सतर्कता जागरूकता और सुशासन विषय पर पक्ष व विपक्ष में बोलना था। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. प्रदीप डिमरी ने विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं सत्यनिष्ठा के पालन की प्रतिज्ञा दिलाई।

PUNJAB KESARI (05.11.2016)

अपने अधिकारों के प्रति रहें सजग: दिनेश

'सतर्कता और सुशासन' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र-छात्राएं।

फरीदाबाद, 4 नवम्बर (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा एनएचपीसी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में 31 अक्तूबर से 5 नवम्बर तक मनाए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत 'सतर्कता और सुशासन' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।

कुलपति ने विद्यार्थियों से भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए प्रत्येक क्षेत्र में सतर्क एवं जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना तथा भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए एकजुट होकर प्रयास करना सभी का उत्तरदायित्व है। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर तथा संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण प्रो. एस के अग्रवाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सांस्कृतिक अध्यक्षा डॉ सोनिया बंसल तथा निदेशक, सांस्कृतिक एवं युवा कार्यक्रम डॉ प्रदीप डिमरी ने किया। प्रतियोगिता के दौरान एनएचपीसी लिमिटेड के मुख्य अभियंता (सतर्कता) एल के त्रिपाठी मुख्य अतिथि रहे।

उन्होंने विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता में विजेता टीम का चयन किया। प्रतियोगिता के तहत दो राउंड आयोजित किए गए, जिसमें तीन-तीन विद्यार्थियों की दस टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल राउंड में पांच टीमों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों को सतर्कता जागरूकता और सुशासन विषय पर पक्ष व विपक्ष में बोलना था। प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार मेधा, विशाल और सौरभ ने जीता।

प्रतियोगिता की उपविजेता टीम के सदस्यों में नमन, निहारिका तथा ज्ञानेश रहे तथा तीसरा स्थान समीक्षा, मेघना तथा मोनिका ने हासिल किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 05 November 2016
epaper.punjabkesari.in//c/14459524

DAINIK JAGRAN (06.11.2016)

वाइएमसीए को नैक ने दिया 'ए' ग्रेड विश्वविद्यालय का दर्जा

वाइएमसीए यूनिवर्सिटी फरीदाबाद।

- यूजीसी की ओर से अधिक फंड मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा
- प्रदेश में इससे पहले कुरुक्षेत्र व गुरु जम्भेश्वर विवि को यह दर्जा मिला है

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जिले के एकमात्र सरकारी विश्वविद्यालय वाइएमसीए को नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडेशन काउंसिल (नैक) ने 'ए' ग्रेड का दर्जा (एक्रीडेशन) दिया है। विश्वविद्यालय ने पहली बार ही इसके लिए आवेदन किया था। पहली बार में ही नैक की ओर से 'ए' ग्रेड के तौर पर मान्यता मिलना बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। अब विश्वविद्यालय को यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) की ओर से अधिक फंड मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा। इससे विश्वविद्यालय तेजी से तरक्की करेगा। प्रदेश में इससे पहले कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय को यह दर्जा मिला है।

कुलपति डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि नैक ने शनिवार को बैठक में इसकी घोषणा की। अब विश्वविद्यालय के पास पांच साल तक यह दर्जा बरकरार रहेगा। नैक की सात सदस्यीय टीम ने 13 से 15 अक्टूबर तक विश्वविद्यालय का दौरा किया था। टीम का नेतृत्व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अविनाश सी. पांडेय ने किया। इस दौरान टीम ने विश्वविद्यालय का शिक्षण, खोज एवं अनुसंधान व अन्य आधारों पर मूल्यांकन किया। विश्वविद्यालय नैक के मापदंडों पर खरा उतरा।

कुलपति डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने विश्वविद्यालय को ए ग्रेड का दर्जा मिलने पर कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन से यह संभव हो पाया। साथ ही उन्होंने पूरे स्टाफ को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

AMAR UJALA (06.11.2016)

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी को नैक से मिला 'ए ग्रेड

टीम ने किया था अक्तूबर में विश्वविद्यालय का दौरा

मुकेश शर्मा

बल्लभगढ़।

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को नैक निरीक्षण में 'ए ग्रेड मिला है। पहली बार इस विश्वविद्यालय की ग्रेडिंग हुई है। नैक ग्रेड के आधार पर ही विश्वविद्यालय अनुसंधान आयोग की ओर से विश्वविद्यालय को अनुदान मिलेगा।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) टीम ने 13 से 15 अक्तूबर तक वाईएमसीए विवि का निरीक्षण किया था। इस दौरान टीम ने विवि के सभी परिसरों सहित प्रशासनिक भवन में विवि की सभी गतिविधियों और व्यवस्थाओं को परखा था। टीम की रिपोर्ट के आधार पर नैक कार्य परिषद ने वाईएमसीए विश्वविद्यालय को ए ग्रेड दिया। सूत्रों की मानें तो विवि को ए ग्रेड मिलने से विदेशी संस्थाओं और औद्योगिक कंपनियों से सहयोग की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इससे छात्रों को भी लाभ होगा। यहां बता दें वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में 22 एकेडमिक प्रोग्राम पढ़ाए जाते हैं। नैक रेंकिंग में वाईएमसीए ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय को पछाड़ दिया है। वाईएमसीए को 3.08 सीजीपीए मिला है। जबकि रोहतक स्थित महर्षि दयांनद विश्वविद्यालय (एमडीयू) को वाईएमसीए से कम सीजीपीए प्राप्त है। प्रदेश में अभी तक जीजेयू, हिसार को नैक से ए ग्रेड हासिल हुआ था।

अब एनबीए की तैयारी

नैक से ए ग्रेड मिलना, हमारे लिए गर्व की बात है। लेकिन, हमें और आगे जाना है। हमारा सपना विश्वविद्यालय को विश्वस्तरीय बनाना है। नैक के बाद अब एनबीए के अच्छे ग्रेड पाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां चल रही हैं।

-डॉ. संजय शर्मा, कुलसचिव, वाईएमसीए

NAVBHARAT TIMES (06.11.2016)

खास खबर

वाईएमसीए को मिला ए ग्रेड

■ **वस, फरीदाबाद :** वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) की ओर से सीजीपीए 3.08 के साथ ए ग्रेड की मान्यता दी गई है। यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रफेसर डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि एनएएसी की स्टेडिंग कमिटी की 18वीं बैठक में शनिवार को यूनिवर्सिटी को ए ग्रेड देने की घोषणा की गई। यूनिवर्सिटी बनने के बाद पहली बार यह मान्यता मिली है। यह मूल्यांकन एनएएसी के सात सदस्यीय एक प्रतिनिधिमंडल ने 13 से 15 अक्टूबर के बीच यूनिवर्सिटी में आकर किया था।

HINDUSTAN (06.11.2016)

सोमवार, 07 नवंबर 2016

हिन्दुस्तान 21

काम की खबरें

वाईएमसीए को एनएएसी से मिला ए ग्रेड

फरीदाबाद। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ओर से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड दिया गया है। प्रथम चक्र में विश्वविद्यालय को 3.08 सीजीपीए द्वारा मान्यता दी गई है। शनिवार को एनएएसी की स्थाई समिति की 18वीं बैठक में घोषणा की।

DAINIK JAGRAN (08.11.2016)

वाईएमसीए विश्वविद्यालय को मिली नैक ग्रेड 'ए' मान्यता

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा प्रथम चक्र मूल्यांकन में ग्रेड 'ए' मान्यता हासिल करने वाला वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद हरियाणा का दूसरा राजकीय तकनीकी विश्वविद्यालय बन गया है। अन्य तीन राजकीय तकनीकी विश्वविद्यालयों में से गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार को ही नैक से ग्रेड 'ए' मान्यता प्राप्त है। प्रदेश में कुल आठ विश्वविद्यालयों को नैक मान्यता हासिल है, जिसमें चार राजकीय एवं चार निजी विश्वविद्यालय है।

हरियाणा में 16 राजकीय विश्वविद्यालय सहित कुल 45 विश्वविद्यालय तथा एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है। इस प्रकार, वाईएमसीए विश्वविद्यालय द्वारा नैक मूल्यांकन के प्रथम चक्र में ही ग्रेड 'ए' मान्याता हासिल कर ली। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) देश के उच्चतर शिक्षण संस्थानों का आकलन तथा प्रत्यायन (मान्यता) का कार्य करती है। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि नैक मान्यता किसी भी विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता का मानक तय करती है।

अच्छे ग्रेड से मान्यता हासिल करने पर विश्वविद्यालय द्वारा अनुंसधान कार्यो के लिए भेजे जाने वाले प्रस्तावों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य फंडिंग एजेंसियों से अनुदान मिलना आसान हो जाता है। ऐसे अनुदान विश्वविद्यालय में अनुसंधान विकास कार्यक्रमों एवं अवसंरचना विकास में मददगार सिद्ध होते है।

DAINIK BHAKSAR (08.11.2016)

वाईएमसीए को मिली नैक की ग्रेड 'ए' की मान्यता

फरीदाबाद। वाईएमसीए कॉलेज।

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के प्रथम चक्र के मूल्यांकन में ही 'ए' ग्रेड की मान्यता वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को मिली है। नैक देश के उच्चतर शिक्षण संस्थानों का आंकलन व प्रत्यायन (मान्यता) का कार्य करता है। नैक द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन मूलतः किसी भी शैक्षणिक संस्था की गुणवत्ता की स्थिति को समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह मूल्यांकन निर्धारित करता है कि शैक्षणिक संस्था या विश्वविद्यालय निर्धारित गुणवत्ता के मानकों को किस स्तर तक पूरा कर रहा है।

PUNJAB KESARI (08.11.2016)

वाईएमसीए विश्वविद्यालय को नैक ग्रेड 'ए' की मिली मान्यता

फरीदाबाद, 8 नवम्बर (सूरजमल): राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा प्रथम चक्र मूल्यांकन में ग्रेड 'ए' मान्यता हासिल करने वाला वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद हरियाणा का दूसरा राजकीय तकनीकी विश्वविद्यालय बन गया है।

अन्य तीन राज्य तकनीकी विश्वविद्यालयों में से गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार को ही नैक से ग्रेड 'ए' मान्यता प्राप्त है जबकि प्रदेश में कुल आठ विश्वविद्यालयों को नैक मान्यता हासिल है, जिसमें चार राजकीय एवं चार निजी विश्वविद्यालय है।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा में 16 राजकीय विश्वविद्यालय सहित कुल 45 विश्वविद्यालय तथा एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है। इस प्रकार, वाईएमसीए विश्वविद्यालय द्वारा नैक मूल्यांकन के प्रथम चक्र में ही ग्रेड 'ए' मान्याता प्राप्त करना बड़ी उपलब्धि है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) देश के उच्चतर शिक्षण संस्थानों का आकलन तथा प्रत्यायन (मान्यता) का कार्य करती है। नैक द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन मूलत: किसी भी शैक्षिक संस्था की 'गुणवत्ता की स्थिति' को समझने के लिए प्रयोग किया जाता है।

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी का मुख्य गेट। (रजत)

यह मूल्यांकन निर्धारित करता है कि शैक्षिक संस्था या विश्वविद्यालय निर्धारित गुणवत्ता के मानकों को किस स्तर तक पूरा कर रहा है।

शैक्षिक प्रक्रियाओं में संस्था का प्रदर्शन, पाठ्यक्रम चयन एवं कार्यान्वयन, शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन तथा छात्रों के परिणाम, संकाय सदस्यों का अनुसंधान कार्य एवं प्रकाशन, बुनियादी सुविधाएँ तथा संसाधनों की स्थिति, संगठन, प्रशासन व्यवस्था, आर्थिक स्थिति तथा छात्र सेवाएं इत्यादि गुणवत्ता के मानदंड होते है।

नैक मान्यता का लाभ-: नैक मान्यता किसी भी विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता का मानक तय करती है। अच्छे ग्रेड से मान्यता हासिल करने पर विश्वविद्यालय द्वारा अनुंसधान कार्यों के लिए भेजे जाने वाले प्रस्तावों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य फंडिंग एजेंसियों से अनुदान मिलना आसान हो जाता है। ऐसे अनुदान विश्वविद्यालय में अनुसंधान विकास कार्यक्रमों एवं अवसंरचना विकास में मददगार सिद्ध होते हैं।

DAINIK BHASKAR (09.11.2016)

डॉ. मणिकांत बने वाईएमसीए फैकल्टी एसोसिएशन के अध्यक्ष

फरीदाबाद | वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की फैकल्टी एसोसिएशन के चुनाव में डा. मणिकांत यादव को अध्यक्ष चुना गया है। एसोसिएशन की पांच सदस्यीय कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग से ललित राय को उपाध्यक्ष, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग से प्रीत कौर व प्रबंधन अध्ययन विभाग ज्योत्सना चावला को सदस्य चुना गया है। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग से हरीश कुमार संयुक्त सचिव पद के लिए निर्विरोध चुने गए हैं। निर्वाचन अधिकारी जेपी शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में कुल 117 सदस्यों में से 111 ने मताधिकार का प्रयोग किया। जबकि 2 मत रद्द हुए। विश्वविद्यालय के मानविकी एवं विज्ञान विभाग में भौतिकी विषय में सहायक प्रोफेसर डॉ. मणिकांत यादव ने 43 मत हासिल किए। अध्यक्ष पद के लिए अन्य दो प्रत्याशियों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से प्रो. नवदीप मल्होत्रा 34 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि मानविकी एवं विज्ञान विभाग से डॉ. सोनिया बंसल 32 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रही।

PUNJAB KESARI (09.11.2016)

डा. मणिकांत यादव वाईएमसीए विवि फैकल्टी एसो. के नये अध्यक्ष

फरीदाबाद,(नवीन धमीजा): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की फैकल्टी एसोसिएशन के संपन्न हुए चुनाव में डॉ. मणिकांत यादव को अध्यक्ष चुना गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए निर्वाचन अधिकारी जे. पी. शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में कुल 117 सदस्यों में से 111 ने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि 2 मत रद्द हुए। विश्वविद्यालय के मानविकी एवं विज्ञान विभाग में भौतिकी विषय में सहायक प्रोफेसर डॉ. मणिकांत यादव ने 43 मत हासिल किये तथा अपने निकटतक प्रतिद्वंद्वी को नौ मतों के अंतर से पराजित किया।

अध्यक्ष पद के लिए अन्य दो प्रत्याशियों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से प्रो. नवदीप मलहोत्रा 34 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि मानविकी एवं विज्ञान विभाग से डॉ0 सोनिया बंसल 32 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रही। एसोसिएशन की पांच सदस्यीय कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों में इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग से ललित राय को उपाध्यक्ष, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग से प्रीत कौर तथा प्रबंधन अध्ययन विभाग सेज्योत्सना चावला को सदस्य चुना गया है जबकि कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग से हरिश कुमार संयुक्त सचिव पद के लिए निर्विरोध चुने गये हैं।

HINDUSTAN (09.11.2016)

डॉ मणिकांत यादव फैकल्टी एसो. अध्यक्ष

फरीदाबाद। सोमवार को वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में फैकल्टी एसोसिएशन का चुनाव हुआ। इसमें डॉ. मणिकांत यादव को अध्यक्ष चुना गया है। यह जानकारी निर्वाचन अधिकारी जेपी शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि चुनाव में 111 सदस्यों ने अपने मत का प्रयोग किया। जबकि कुल 117 वोट थे। दो 2 मत रद्द हुए। मानविकी एवं विज्ञान विभाग में भौतिकी विषय में सहायक प्रोफेसर डॉ. मणिकांत यादव को कुल 43 मत मिले।

उन्होंने अपने निकटतक प्रतिद्वंद्वी को नौ मतों के अंतर से शिकस्त दी। इस पद के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से प्रो. नवदीप मलहोत्रा और मानविकी एवं विज्ञान विभाग से डॉ सोनिया बंसल चुनाव लड़ रही थी। इस दौरान पांच सदस्यीय कार्यकारिणी का भी चयन किया गया।

DAINIK JAGRAN (09.11.2016)

वाईएमसीए विवि फेकल्टी एसो. की कार्यकारिणी गठित

जासं, फरीदाबाद : डॉ. मणिकांत यादव को वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की फेकल्टी एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया है। निर्वाचन अधिकारी जेपी शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में कुल 117 सदस्यों में से 111 ने मताधिकार का प्रयोग किया। 2 मत रद हुए। विश्वविद्यालय के मानविकी एवं विज्ञान विभाग में भौतिकी विषय में सहायक प्रोफेसर डॉ. मणिकांत यादव ने सर्वाधिक 43 मत हासिल किए। एसोसिएशन की पांच सदस्यीय कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों में इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग विभाग से ललित राय को उपाध्यक्ष, इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग विभाग से प्रीत कौर तथा प्रबंधन अध्ययन विभाग से ज्योत्सना चावला को सदस्य चुना गया है। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग से हरिश कुमार संयुक्त सचिव चुने गए।

- डॉ. मणिकांत यादव ने सर्वाधिक 43 मत हासिल किए

NAVBHARAT TIMES (09.11.2016)

मणिकांत बने अध्यक्ष

■ **बस, फरीदाबाद :** वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी की फैकल्टी असोसिएशन का सोमवार को चुनाव संपन्न हो गया। इसमें डॉ. मणिकांत यादव को अध्यक्ष चुना गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए निर्वाचन अधिकारी जेपी शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में कुल 117 सदस्यों में से 111 ने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि 2 मत रद्द हुए। यूनिवर्सिटी के मानविकी एवं विज्ञान विभाग में भौतिकी विषय में सहायक प्रोफेसर डॉ. मणिकांत यादव ने 43 मत हासिल किए और तथा अपने निकटतक प्रतिद्वंद्वी को 9 मत से पराजित किया।

DAINIK BHASKAR (11.11.2016)

कुलपति ने इंटीग्रेटेड सर्किट्स प्रौद्योगिकी पर जानकारी दी

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में व्याख्यान आयोजित

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानविकी एवं विज्ञान विभाग ने हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष उत्सव की श्रृंखला में 'स्मार्ट मेटिरियल एवं इंटीग्रेटेड सर्किट्स' पर व्याख्यान आयोजित किया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों को इंटीग्रेटेड सर्किट्स (आईसी) प्रौद्योगिकी पर जानकारी दी। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार एक शिक्षक के रूप में नजर आए और इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों से उन्होंने सीधा संवाद किया। उन्होंने विषय एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े अन्य संबंधित बिन्दुओं पर विद्यार्थियों को बारीकी से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने भी उनका व्याख्यान दिलचस्पी से सुना। कार्यक्रम के अन्य सत्रों को सेंट्रल इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट पिलानी के पूर्व निदेशक डा. शमीन अहमद, आईआईटी, कुरुक्षेत्र के प्रो. डॉ. एसके चक्रवर्ती, जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली से डॉ. एएच खुर्रम ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन डा. सोनिया बंसल व मानविकी एवं विज्ञान विभाग के संकायाध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने किया।

NAVBHARAT TIMES (11.11.2016)

किया सीधा संवाद

■ **वस, फरीदाबाद :** वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद के मानविकी एवं विज्ञान विभाग की ओर से हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष उत्सव में स्मार्ट मेटिरियल एवं इंटीग्रेटेड सर्किट्स पर सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. दिनेश कुमार ने स्टूडेंट्स को इंटीग्रेटेड सर्किट्स (आईसी) प्रौद्योगिकी पर जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान वाइस चांसलर प्रो. दिनेश कुमार ने इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स से सीधा संवाद किया। कार्यक्रम के अन्य सत्रों को सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट, पिलानी के पूर्व निदेशक डॉ. शमीन अहमद, आईआईटी, कुरुक्षेत्र के प्रो.डॉ. एसके चक्रवर्ती, डॉ.एएच खुर्रम ने संबोधित किया।

HINDUSTAN (11.11.2016)

मीडिया विषय पर रूबरू हुए छात्र

फरीदाबाद। वाईएमसीए विश्वविद्यालय में गुरुवार को मीडिया विषय पर संवाद का आयोजन हुआ। इसमें मीडिया में जाने के इच्छुक छात्रों को इस क्षेत्र की बारीकियों से रूबरू कराया गया।

मौके पर मुख्य वक्ता के तौर पर हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष और शिक्षाविद प्रो. वीरेंद्र सिंह चौहान पहुंचे। उन्होंने छात्रों के साथ सर्जिकल स्ट्राइक, करेंसी पर प्रतिबंध, अमेरिकी चुनाव जैसे विषयों पर भी चर्चा की। वहीं दूसरी ओर हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष उत्सव के तहत व्याख्यान का आयोजन हुआ।

DAINIK BHASKAR (11.11.2016)

कॅरियर हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष प्रो. वीरेन्द्र सिंह चौहान ने वाईएमसीए में मीडिया के छात्रों का मार्गदर्शन किया

'मीडिया में सफलता के लिए भाषाई कौशल जरूरी'

वाईएमसीए में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से लेकर जम्मू कश्मीर पर हुई चर्चा

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

मीडिया में कॅरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों का हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पारंगत होना जरूरी है। इसके लिए प्रतिदिन स्वाध्याय और अभ्यास की आवश्यकता है।

समसामयिक विषयों पर हुआ विमर्श

हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष व शिक्षाविद प्रो. वीरेन्द्र सिंह चौहान ने वाईएमसीए विश्वविद्यालय में मीडिया के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने करेंसी सुधार उपायों से लेकर सर्जिकल स्ट्राइक, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव व जम्मू कश्मीर की संवैधानिक और कानूनी स्थिति आदि अनेक सम-सामयिक विषयों पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उनके सवालों के जवाब भी दिए।

जम्मू-कश्मीर भारत का अविभाज्य अंग है

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि भारत में जम्मू-कश्मीर की रियासत का विलय अपने आप में पूर्ण और अंतिम है। महाराजा हरि सिंह द्वारा अक्टूबर 1948 में अंधि-मिलय पत्र पर हस्ताक्षर किए जाने व उस पर माउंटबेटन के दस्तखत होने के साथ ही यह प्रक्रिया पूर्ण हो गई थी। जब राज्य की निर्वाचित संविधान सभा ने प्रवेश का संविधान बनाया तो उसमें भी यह बात साफ तौर पर लिखी और स्वीकारी गई कि जम्मू-कश्मीर की पूरी रियासत भारत का अविभाज्य अंग है और रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत की संसद ने 1994 में एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित कर समूची दुनिया को दोटूक शब्दों में जता दिया था कि जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में एकमात्र अधूरा एजेंडा है, पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले राज्य के हिस्सों को खाली कराना।

यूनिवर्सिटी की वेबसाइट का हिंदी संस्करण जल्द तैयार करने पर बनी सहमति

कार्यक्रम से पूर्व हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष प्रो. वीरेन्द्र सिंह चौहान व अकादमी के लाभित सदस्य वेद प्रकाश वशिष्ठ ने कुलपति डा. दिनेश अग्रवाल के साथ विश्वविद्यालय स्तरीय पुस्तकों के लेखन व अकादमी की पुस्तकें विवि के पुस्तकालय में उपलब्ध कराए जाने के संबंध में विचार-विमर्श किया। बैठक में विवि में काम-पढ़ाई हिंदी में लिखे जाने और विश्वविद्यालय की वेबसाइट का हिंदी संस्करण भी यथाशीघ्र तैयार किए जाने पर सहमति बनी।

DAINIK JAGRAN (12.11.2016)

प्यार में न कसर छोड़ूंगी, सौ मांगोगे 500 व 1000 दे दूंगी

- काव्य संध्या में कवियों ने नोटबंदी पर केंद्रित रचनाएं सुनाई

कवि सम्मेलन में कविता प्रस्तुत करते हुए यशदीप कौशिक 'रेवाड़ी'। जागरण

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: 'पिया जी प्यार में न कोई कसर छोड़ूंगी, तुम सौ जो मांगोगे मैं 500 और 1000 दे दूंगी।' सरकार की ओर से 500 और 1000 के नोट बंद किए जाने के फैसले पर कवियों की कुछ ऐसी ही प्रतिक्रिया सुनने को मिली। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, हरियाणा और वाईएमसीए यूनिवर्सिटी की ओर से प्रदेश की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित काव्य संध्या में कवियों ने सामयिक मुद्दों को अपनी कविताओं का विषय बनाया। इसमें 500 व 1000 रुपये की नोटबंदी पर पेश रचनाओं ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

कवि यशदीप कौशिक ने कहा, 'नहीं आवाज थी बिल्कुल, लगा जोर का धक्का है। तुरुप की चाल पे डाला सियासत ने जो इक्का है। दबा दांतों तले अंगुली जमाना देखता रहा सारा, लगाया आखिरी ही बॉल पे मोदी ने जो छक्का है।' कुलदीप 'बृजवासी' ने गृहिणियों की वेदना को प्रस्तुत करते हुए कहा 'पिया जी प्यार में न कोई कसर छोड़ूंगी, तुम सौ जो मांगोगे मैं 500 और 1000 दे दूंगी।' यशदीप कौशिक ने ओलंपिक में देश की बेटियों के प्रदर्शन का बखान किया।

कवयित्री नमिता राकेश ने भ्रूण हत्या जैसे संवेदनशील मुद्दों को उठाया। कवि डॉ. राकेश 'खुशदिल' ने सियासत पर व्यंग्य किया। कवि मोहन शास्त्री ने अपनी कविता ओज रस को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।

DAINIK BHASKAR (12.11.2016)

पियाजी प्यार में न कोई कसर छोड़ूंगी, तुम सौ मांगोगे मैं 500 और 1000 दे दूंगी

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें प्रदेश के जाने-माने कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं का मनोरंजन किया।

ओलंपिक में देश की बेटियों के प्रदर्शन का बखान किया

यशदीप कौशिक ने अपनी अन्य कविता में ओलंपिक में देश की बेटियों के प्रदर्शन का बखान किया। उन्होंने कहा 'रियो की सरजमीं पर जो बढ़ाया मान भारत का, खिला हर मन हुआ प्रसन्न बढ़ा सम्मान भारत का। तिरंगे की इबादत पे तो नौजवान थे कितने, मिला मौका सुताओ को तो बनी अभिमान भारत का।' कवयित्री नमिता राकेश ने 'मां की खाली गोद को संतान चाहिए' से समाज में भ्रूण हत्या जैसे संवेदनशील मुद्दों को उठाया। कवि डॉ. राकेश 'खुशदिल' ने 'सियासी जंग से केवल वतन बदनाम होता है' से युद्ध पर होती सियासत पर व्यंग्य किया। कवि मोहन शास्त्री ने अपनी कविता 'बिना वीरता जीवन का उद्धार नहीं होता' से ओज रस को प्रस्तुत किया

500 व 1000 रुपए की नोट-बंदी प्रमुख रही

इसमें सरकार द्वारा 500 व 1000 रुपए की नोट-बंदी प्रमुख रही। कवि सम्मेलन में नमिता राकेश, अज्ञेय अज्ञात, समीर सिंह चरौरा, डॉ. राकेश 'खुशदिल', मोहन शास्त्री व कुलदीप 'बृजवासी' शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। यशदीप कौशिक ने अपनी कविता में सरकार के साहसिक निर्णय पर कहा- 'नहीं आवाज थी बिल्कुल, लगा जोर का धक्का है, तुरुप की चाल पे डाला सियासत ने जो इक्का है, दबा दांतों तले अंगुली जमाना देखता रहा सारा, लगाया आखिरी ही बॉल पे मोदी ने जो छक्का है। कुलदीप 'बृजवासी' ने सरकार द्वारा 500 व 1000 रुपए की नोट बंदी के बाद ऐसी गृहणियों की वेदना को प्रस्तुत किया, जो घर खर्च से थोड़ा-थोड़ा जोड़कर जमा पूंजी एकत्रित करती है। कवि ने अपनी पंक्तियों में कहा- 'पिया जी प्यार में न कोई कसर छोड़ूंगी, तुम सौ मांगोगे मैं 500 और 1000 दे दूंगी'।

AMAR UJALA (12.11.2016)

'तुम 100 जो मांगोगे तो मैं 500 और 1000 दे दूंगी'

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में आयोजित सम्मेलन में कविता पाठ करते कवि।

फरीदाबाद (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार देर शाम अखिल भारतीय साहित्य परिषद की ओर से कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। स्वर्ण जयंती वर्ष के मौके पर आयोजित सम्मेलन में प्रदेश के जाने-माने कवियों ने हिस्सा लिया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।

इस मौके पर कवियों ने सामयिक मुद्दों को विषय बनाया। इसमें सरकार द्वारा 500 व 1000 रुपये की नोट बंदी प्रमुख रही। कुलदीप 'बृजवासी' ने गृहिणियों की वेदना को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा 'पिया जी प्यार में न कोई कसर छोड़ूंगी, तुम 100 जो मांगोगे मैं 500 और 1000 दे दूंगी' यशदीप कौशिक ने सुनाया, 'नहीं आवाज थी बिल्कुल, लगा जोर का धक्का है। तुरुप की चाल पे डाला सियासत ने जो इक्का है, दबा दांतों तले उंगुली जमाना देखता रहा सारा, लगाया आखिरी ही बॉल पे मोदी ने जो छक्का है।' कौशिक ने ओलंपिक में देश की बेटियों के प्रदर्शन का भी बखान किया। वहीं कवयित्री नमिता राकेश ने 'मां की खाली गोद को संतान चाहिए' से भ्रूण हत्या जैसे मुद्दे को उठाया।

HARI BHOOMI (12.11.2016)

आयोजन | नोट बंदी से उभरी गृहणियों की वेदना को कविता में किया प्रस्तुत

वाईएमसीए विवि में कवि सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज, फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा अखिल भारतीय साहित्य परिषद, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश के स्वर्ण जयंती वर्षिकोत्सव की श्रृंखला के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रदेश के जाने-माने कवियों ने हिस्सा लिया और अपनी कविताओं से श्रोताओं का मनोरंजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कार्यक्रम का संयोजन निदेशक, सांस्कृतिक एवं युवा कार्यक्रम डॉ. प्रदीप डिमरी, सांस्कृतिक अध्यक्ष डॉ सोनिया बंसल तथा कवि यशदीप कौशिक रेवाड़ी द्वारा किया गया।

आमंत्रित कवियों में ममिता राकेश, अजय अज्ञात, समेद सिंह चतैरा, डॉ. राकेश 'खुशदिल', मोहन शास्त्री तथा कुलदीप 'बृजवासी' शामिल रहे।

सम्मेलन के दौरान कवियों ने सामयिक मुद्दों को अपनी कविताओं का विषय बनाया, जिसमें सरकार द्वारा 500 व 1000 रुपये की नोटबंदी प्रमुख रही। यशदीप कौशिक ने अपनी कविता में सरकार के साहसिक निर्णय पर बोलते हुए कहा, 'नई आवाज थी बिल्कुल, लगा जोर का धक्का है। तुरुप की चाल पे डाला सियासत ने जो इक्का है, दबा दांतों तले अंगुली जमाना देखता रहा सारा, लगाया आखिरी ही बॉल पे मोदी ने जो छक्का है'। कुलदीप बृजवासी ने सरकार द्वारा 500 व 1000 रुपये की नोट बंदी के बाद ऐसी गृहणियों की वेदना को प्रस्तुत किया जो घर खर्च से थोड़ा-थोड़ा जोड़कर जमा पूंजी एकत्रित करती हैं। कवि ने अपनी पंक्तियों में कहा कि 'पिया जी प्यार में न कोई कसर छोड़ूंगी, तुम सौ जो मांगोंगे मैं 500 और 1000 दे दूंगी' कवि ने कहा कि पहले जिन गृहणियों के लिए घर खर्च के पैसे कम पड़ जाते थे, आज उनके पास से हजारों-लाखों निकल रहे हैं और ऐसे में पतियों के लिए हैरानी की स्थिति बन गई है। यशदीप कौशिक ने अपनी अन्य कविता में ओलंपिक में देश की बेटियों के प्रदर्शन का बखान किया। उन्होंने कहा, 'रियो की सरजमीं पर जो बढ़ाया मान भारत का, खिला हर मन हुआ प्रसन्न बढ़ा सम्मान भारत का। तिरंगे को इबादत पे तो नौजवान थे कितने, मिला मौका सुताओं को तो बनी अभिमान भारत का'।

इसी प्रकार, कवियत्री ममिता राकेश ने 'मां की खाली गोद को संतान चाहिए' से समाज में भ्रूण हत्या जैसे संवेदनशील मुद्दों को उठाया। कवि डॉ. राकेश खुशदिल ने 'सियासी जंग से केवल वतन बदनाम होता है' से युद्ध पर होती सियासत पर व्यंग्य किया। कवि मोहन शास्त्री ने अपनी कविता 'बिना खेरता जीवन का उद्धार नहीं होता' से ओज रस को प्रस्तुत किया।

NAVBHARAT TIMES (12.11.2016)

कवि सम्मेलन में छाया करेंसी चेंज का मामला

■ वरिष्ठ संवाददाता, फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी की ओर से शुक्रवार को अखिल भारतीय साहित्य परिषद के तत्वाधान में प्रदेश के स्वर्ण जयंती वार्षिकोत्सव के मौके पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन में कुलदीप बृजवासी ने सरकार की ओर से 500 और 1000 रुपये के नोट बंदी पर कविता सुनाई। उन्होंने कहा कि कि 'पिया जी प्यार में न कोई कसर छोड़ूंगी, तुम सौ जो मांगोंगे मैं 500 और 1000 दे दूंगी।' यशदीप कौशिक ने अपनी कविता में ओलिंपिक में देश की बेटियों के प्रदर्शन का बखान किया। उन्होंने कहा, 'रियो की सरजमीं पर जो बढ़ाया मान भारत का, खिला हर मन हुआ प्रसन्न बढ़ा सम्मान भारत का।